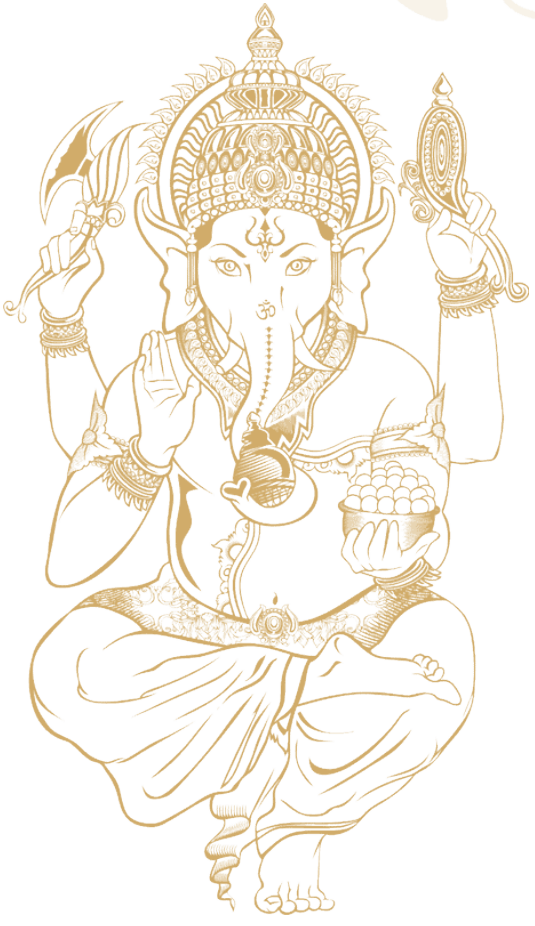

Dixit

12 Oct 2000

04:15 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120914002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/10/2000**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	54:10:36 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:37:32 घंटे
वेलान्तर	00:13:18 घंटे
साम्पातिक काल	05:00:50 घंटे
सूर्योदय	06:34:45 घंटे
सूर्यास्त	18:13:17 घंटे
दिनमान	11:38:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:03:09 कन्या
लग्न के अंश	22:52:37 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थानसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:52:37	322:35:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	25:03:09	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मीन	07:42:04	12:58:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
मंगल			सिंह	21:47:02	00:37:25	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			तुला	19:33:05	00:39:32	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	17:06:47	00:02:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	27:14:46	01:13:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		वृष	06:21:12	00:03:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	26:29:51	00:12:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	26:29:51	00:12:03	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:07:17	00:00:43	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	09:55:51	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:00:53	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	22:30:56	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:47

लग्न-चलित

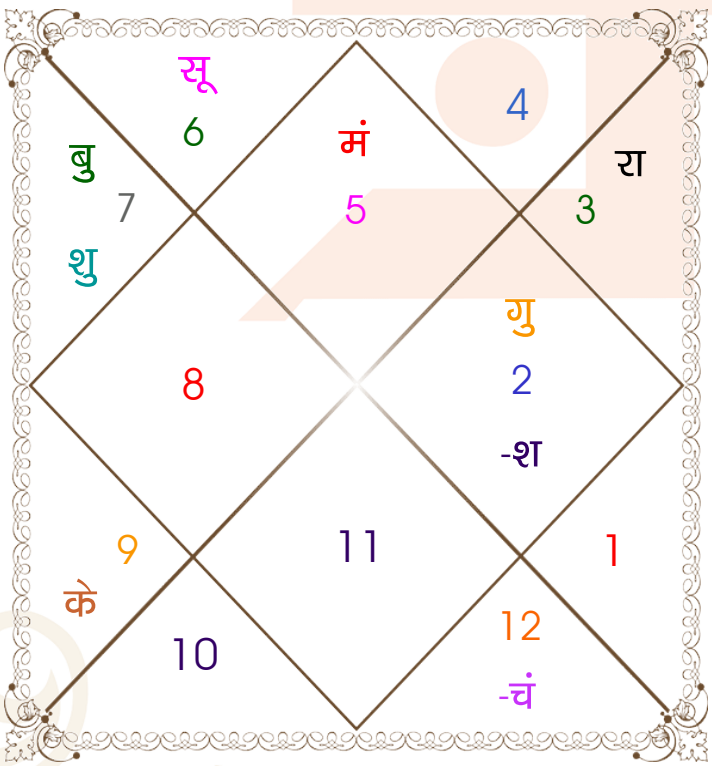

चन्द्र कुंडली

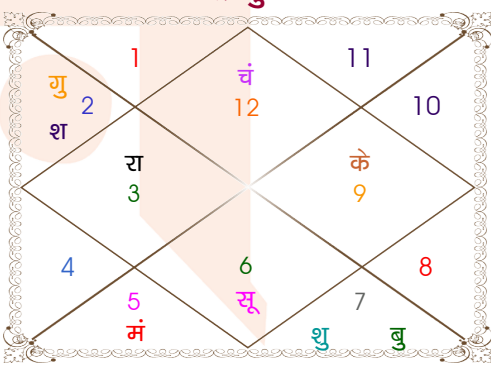

नवमांश कुंडली

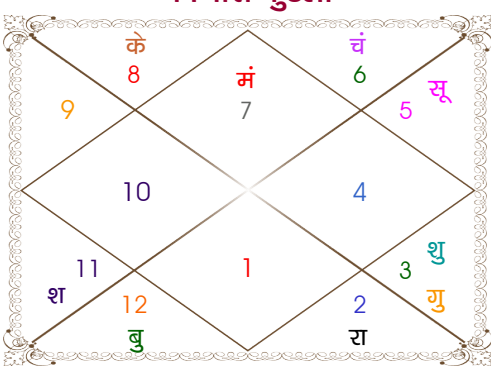

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 9 मास 9 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/10/2000		22/07/2013		22/07/2030		22/07/2037		22/07/2057	
22/07/2013		22/07/2030		22/07/2037		22/07/2057		23/07/2063	
	00/00/0000	बुध	19/12/2015	केतु	19/12/2030	शुक्र	21/11/2040	सूर्य	09/11/2057
	12/10/2000	केतु	15/12/2016	शुक्र	18/02/2032	सूर्य	21/11/2041	चंद्र	10/05/2058
केतु	13/05/2001	शुक्र	16/10/2019	सूर्य	24/06/2032	चंद्र	23/07/2043	मंगल	15/09/2058
शुक्र	13/07/2004	सूर्य	21/08/2020	चंद्र	24/01/2033	मंगल	21/09/2044	राहु	10/08/2059
सूर्य	25/06/2005	चंद्र	21/01/2022	मंगल	22/06/2033	राहु	21/09/2047	गुरु	28/05/2060
चंद्र	24/01/2007	मंगल	18/01/2023	राहु	10/07/2034	गुरु	22/05/2050	शनि	10/05/2061
मंगल	04/03/2008	राहु	06/08/2025	गुरु	16/06/2035	शनि	22/07/2053	बुध	17/03/2062
राहु	09/01/2011	गुरु	12/11/2027	शनि	25/07/2036	बुध	22/05/2056	केतु	22/07/2062
गुरु	22/07/2013	शनि	22/07/2030	बुध	22/07/2037	केतु	22/07/2057	शुक्र	23/07/2063

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/07/2063		22/07/2073		22/07/2080		22/07/2098		23/07/2114	
22/07/2073		22/07/2080		22/07/2098		23/07/2114		00/00/0000	
चंद्र	22/05/2064	मंगल	18/12/2073	राहु	04/04/2083	गुरु	10/09/2100	शनि	26/07/2117
मंगल	21/12/2064	राहु	06/01/2075	गुरु	28/08/2085	शनि	24/03/2103	बुध	04/04/2120
राहु	22/06/2066	गुरु	13/12/2075	शनि	04/07/2088	बुध	29/06/2105	केतु	13/10/2120
गुरु	22/10/2067	शनि	20/01/2077	बुध	21/01/2091	केतु	05/06/2106		00/00/0000
शनि	22/05/2069	बुध	18/01/2078	केतु	08/02/2092	शुक्र	03/02/2109		00/00/0000
बुध	22/10/2070	केतु	16/06/2078	शुक्र	08/02/2095	सूर्य	22/11/2109		00/00/0000
केतु	23/05/2071	शुक्र	16/08/2079	सूर्य	03/01/2096	चंद्र	24/03/2111		00/00/0000
शुक्र	20/01/2073	सूर्य	22/12/2079	चंद्र	04/07/2097	मंगल	28/02/2112		00/00/0000
सूर्य	22/07/2073	चंद्र	22/07/2080	मंगल	22/07/2098	राहु	23/07/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 8 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।